

मा मा मा मा मा शा रे व वि य सा द श स्या द नि ष्या या ॥ ॥
वु वु वु वु वु न वा वि या म ल वि या स म या व ल व र्त य
॥ अ नि वी र्य ग ग गी व सु य को टि स म
य रा ॥ १ ॥ कू ल ग ल कू ल स र्व स दी य य व म ष्य वि । द वी
व रु उ दि वा गं दि या नी लो ग दा यि न ॥ २ ॥ व रु स वि रु स दी
द वि भ वा र्य य व म ष्य वि । स दी य म दि वा न न्द य या द त ल
म रु र्क ॥ ३ ॥ मि ग ल वं स दा त ल ली य सा ना मू र ष्य यी । रु
का र्य ग ग ४ कू ला य रु य रु वि स ल ॥ ४ ॥ य ऊ न वा म रु र्क
न ऊ का र नि वि रु य ७ । य ष्य नि य म रु र्क मू ल म रु
र मू ल म रु र्क ८ ॥ १ ॥ माला म रु वि षा न न रु म रु

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाबिहारी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
विष्णुपादिमहागोत्रकनगरसंज्ञा किं नमस्तु नमस्तु नमस्तु स्वाहा ॥
यनस्येष्टुष्टाकिं मालामनुस्यते यस्तु द्रियाविष्टायो वदन्त्यादि यथा
भयने कुन्दः सात्त्विकककावरुहावकया ० किं नमस्तु नमस्तु नमस्तु
याकामं ध्वनीललितामदारुहाविकाथवगा ॥ रविसिद्धो विनियोगः
॥ नाड्यं स्वप्नमायाति यन्नदस्तु किं नमस्तु नमस्तु नमस्तु स्वाहा दीप
संसादृशाको रुविश्रुति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दयदविनिश्रुति विनिश्रुति विनिश्रुति विनिश्रुति विनिश्रुति विनिश्रुति
कामं ध्वनिरुगमालिनिनिश्रुति विनिश्रुति विनिश्रुति विनिश्रुति विनिश्रुति
यं ध्वनिगिवदित्वनिगसुले सुन्दरिनिश्रुति नालयगाकं विनिश्रुति